जिला	वन आवरण—1991 मूल्यांकन	वन आवरण—1993 मूल्यांकन
सरगुजा	12,106	12,106
टीकमगढ़	263	263
उज्जैन	—	—
विदिशा	970	970
	135,785	135,396

Steps to intensify patrolling in the International Borders

197. SHRI ISH DUTT YADAV:
SHRI SANJAY DALMIA:
MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state the steps taken and proposed to be taken by Government to intensify patrolling in the international borders where fencing is not possible?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SYED SIBTEY RAZI): Steps taken to intensify patrolling in the border areas include the erection of OP Towers, increase in the number of Nakas, supply of sophisticated gadgets, including night vision division, jeeps, tractors, motor cycles and motor boats as well as the reduction of gaps between BOPs in vulnerable areas.

Chinese Nuclear Sales to Pakistan

198. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of Pakistan's recent involvement with China to develop its nuclear weapons programme in addition to illegal M-11 missile transfer from China to Pakistan;

(b) whether Government's attention has also been drawn to a newsitem published in the Hindustan Times dated 11th February, 1996 captioned. "Pak fails to allay US concerns" and reported CIA's disclosure of China's selling 5,000 ring magnets used in equipment that enriches uranium for weapons, to Pakistan; and

(c) if so, whether Government have any plan to exercise its nuclear option to meet the country's security challenges?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b) Yes, Sir. Government have seen media reports on transfer of equipment for use in uranium enrichment plant from China to Pakistan.

(c) Government are fully aware of the clandestine nature of Pakistan's nuclear weapons programme. The security situation of India is constantly under review particularly in the light of developments in the neighbourhood. Government will take all necessary measures designed to cope with any threat that may be posed to the security of the nation.

हिसार में उप-मार्ग (बाई-पास) का निर्माण

199. **श्री रामजी लाल:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि हिसार (हरियाणा) से पीलीबंगा (राजस्थान) तक की सीमा सड़क संगठन की सड़क (बी०आर०ओ० रोड) हिसार शहर से होकर गुजरती है और इस कारण इस सड़क पर कई दुर्घटनायें होती रहती हैं जिनमें जान-माल का नुकसान हो रहा है;

(ख) क्या सरकार दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से इस सड़क पर हिसार शहर के दक्षिणी छोर पर एक उप-मार्ग का निर्माण करवायेगी;

(ग) यदि हां, तो उक्त सड़क का निर्माण कार्य कब तक कराये जाने की संभावना है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) से (घ)

हिसार-पीलीबंगा सड़क पर कुछ दुर्घटनाओं की सूचना मिली है। निधियों के अभाव के कारण हिसार शहर के दक्षिणी छोर पर बाईपास का निर्माण कार्य शुरू करना संभव नहीं हो पाया है।

खाद्य प्रसंस्करण संबंधी विदेशी उद्यमों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापना किया जाना

200. **श्री नागमणि:**
चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण संबंधी विदेशी उद्यमों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने में असफल रही है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) गत दो वर्षों के दौरान राज्य-वार किन-किन विदेशी खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को अनुमति दी गई है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव): (क) और (ख) जी नहीं। उदारीकरण के बाद अर्थात् जुलाई 1991 से दिसम्बर, 1995 तक खाद्य प्रसंस्करण के विभिन्न क्षेत्रों में यूनिटें स्थापित करने के लिए अनुमोदित 3349 करोड़ रु० के कुल विदेशी और अनिवासी भारतीय इक्विटी निवेश में से लगभग 3000 करोड़ रु० का विदेशी और अनिवासी भारतीय इक्विटी निवेश गैर-शहरी तथा ग्रामीण इलाकों में स्थापित किए जाने वाले उद्योगों के लिए हैं।

(ग) हालांकि 1994-95 और 1995-96 के दौरान बड़ी संख्या में विदेशी निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है, प्रत्यक्षतः या संयुक्त उद्यम में निवेश के लिए मंजूरी प्राप्त कुछ प्रमुख विदेशी खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों की सूची विवरण के रूप में संलग्न है।

विवरण

कुछ प्रमुख विदेशी कंपनियों के ब्यौरे जिनके खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र संबंधी प्रस्तावों को 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान मंजूरी दी गई है

क्रम सं०	विदेशी कंपनी का नाम	राज्य जिसमें प्रस्तावित यूनिट स्थापित की जानी है
1.	पिल्सबरी कं० अमरीका	महाराष्ट्र
2.	मक्केन फूड्स लि०, कनाडा	उत्तर प्रदेश/पंजाब
3.	सीग्राम कं० लि०, कनाडा	उत्तर प्रदेश
4.	देरा एग्रो टेक्नोलॉजिज, इस्त्रायल	तमिलनाडु
5.	वर्नीपिलिप एंड कं० ऑस्ट्रेलिया	प० बंगाल
6.	चुपाचुप कनफेक्शनरी, हॉलैंड	तमिलनाडु
7.	ग्रुप डैनोन, फ्रांस	स्थान का उल्लेख नहीं है
8.	व्हाइट एंड मैके, यू०के०	उत्तर प्रदेश
9.	पर्नोड रिकार्ड, यू०के०	महाराष्ट्र
10.	ब्राउन फोर्मेन, यू०के०	पंजाब
11.	थाइसेन राइनस्टॉल टेक्नालाजी, जर्मनी	महाराष्ट्र
12.	सी०पी०सी० इन्टरनेशनल, अमरीका	महाराष्ट्र
13.	डोहलर जी एम बी एच जर्मनी	तमिलनाडु
14.	फार्म फ्राइटस बी०वी०, हालैंड	प० बंगाल
15.	डलसेम वैसिऐप बी०वी०, हालैंड	राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश
16.	फ्रैंकलिन मशरूम इंक० अमरीका	प० बंगाल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र
17.	सेफ्टी हैन्डल्स जीएम बी०एच०, जर्मनी	केरल, प० बंगाल, आंध्र प्रदेश
18.	एग्री सिस्टम बी०वी०, हालैंड	आंध्र प्रदेश
19.	मेकन एग्री लि०, उत्तरी आयरलैंड	हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश
20.	जर्लिन होल्डिंग्स, हॉलैंड	महाराष्ट्र